RAF SECTOR

NEWS CLIP

10/04/2022

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Rajasthan Drashan, Amer,(RAJ)

रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन ने मनाया शौर्य दिवस

राजस्थान दर्शन, आमेर। राजधानी जयपुर के आमेर में लालवास स्थित सीआरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन की ओर से शौर्य दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कमांडेंट प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में शौर्य दिवस समारोह का आयोजन हुआ। उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों और शहीदों की शहादत को याद किया गया। बटालियन के कमांडेंट प्रवीण कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश सिंह पायल समेत सभी जवानों और अधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित की। 9 अप्रैल 1965 के दिन कच्छ के रण, गुजरात में स्थित सरदार पोस्ट में सीआरपीएफ के शूरमाओं की पराक्रम गाथाओं से सभी को अवगत कराया कि सीआरपीएफ की टुकड़ी ने कम सख्या में रहते हुए पाकिस्तान की एक पूरी ब्रिगेड का मुकाबला सुनियोजित तरीके व साहस के साथ किया। पाकिस्तान की एक ब्रिगेड को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। जो कि सेना युद्ध के इतिहास में एक अनुठा उदाहरण है। तब से इस दिन को पूरे भारत वर्ष में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। कमांडेंट प्रवीण कुमार सिंह ने सभी कार्मिकों को भविष्य में देश की रक्षा के लिए सर्वस्व निछावर करने वाली परम्परा का निर्वहन करने का संकल्प दिलाया। शौर्य दिवस समारोह के क्रम में 83 बटालियन रेपिड एक्शन फोर्स परिसर में वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजेता और उपविजेता टीमों और उत्कृष्ट प्रर्दशन करने वाले खिलाड़ियों को पारितोषिक देकर पुरुस्कृत किया। इस अवसर पर [illegible] का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्रों और बल के जवानों ने भाग लिया। शौर्य दिवस के उपलक्ष में जयपुर निवासी राष्ट्रीय वीरता पुरूस्कार विजेता अनिका जैमिनी को मुख्यालय परिसर में आमंत्रित कर कमाण्डेन्ट ने प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही शाम को बड़े खाने का आयोजन किया गया।

Jagat Kranti, Jaipur, (RAJ)

शौर्य दिवस केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए ऐतिहासिक और गौरवान्वित है: प्रवीण कुमार सिंह

जगत क्रान्ति

जयपुर- आज शौर्य दिवस का दिन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए बहुत ही ऐतिहासिक और गौरवान्वित है। आज ही के दिन 09 अप्रैल 1965 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 02 बटालियन की एक छोटी सी टुकड़ी ने गुजरात के रन आफ कच्छ में सरदार पोस्ट पर पाकिस्तानी ब्रिगेड द्वारा किए गए हमले को विफलकर ब्रिगेड को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था और इस हमले में 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतारकर 04 को जिंदा गिरफ्तार किया। इस संघर्ष में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 06 बहादुर रण बाकुरो ने अपनी शहादत दी। सैन्य लड़ाई के इतिहास में कभी भी एक छोटी सी सैन्य टुकड़ी द्वारा इस तरह से एक पूर्ण पैदल सेना ब्रिगेड से नही लड़ी, जोकि इतिहास में एक अनुठा उदाहरण है। बल के बहादुर जवानों की गाथा को श्रद्वांजलि के रूप में हरवर्ष 09 अप्रैल को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जयपुर के लालवास गांव स्थित रैपिड एक्शन फोर्स 83 बटालियन के कमांडेंट प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि जब से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अस्तित्व मे आया है, तब से बल में इस तरह की बहुत सी शौर्य गाथायें है। उनमें से एक गाथा इस वाहिनी में पदस्थ वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित सिपाही देवराज गुर्जर की भी है। 7 जनवरी 2013 को झारखंड के अवंतीकर के जंगलों में ए/134 और 112 वी वाहिनी की 02 समवायों के साथ मिलकर चलाये जा रहे संयुक्त आपरेशन के दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। तब सिपाही देवराज गुर्जर ने बहादुरी और उत्कृष्टता के साथ हिम्मत दिखाई। वह एक्टख्र (राकेट लान्चर) लेकर चल रहा था, उसके कम्पनी कमाण्डर ने नक्सल पार्टी के द्वारा लगाई गई घात को तोड़ने के लिए सीजीआरएल से एचई बम दागने का आदेश दिया। तभी नक्सल की ओर से भारी गोलाबारी के बीच सिपाही देवराज गुर्जर ने अपनी जान की परवाह किए बगैर एक रणनीतिक बिंदु पर रेंगता रहा और 02 एचई बम को सटीक फायर किया। उसकी इस गोलाबारी ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। वह यही नही रूका उसने न केवल घायल कर्मियों की जान बचाई, बल्कि नक्सलियों को घायलों और शहीदों के हथियार छीनने और लूटने से भी रोका। इस प्रकार सिपाही देवराज गुर्जर ने अविश्वसनीय साहस और सामरिक कौशल दिखाया था और अन्य सैनिकों के जीवन को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने के लिए निडर स्वभाव की एक मिसाल कायम की। जिसके लिए सिपाही देवराज गुर्जर को माननीय राष्ट्रपति द्वारा ल्लवीरता के लिए पुलिस पदकङ्क से नवाजा गया।

Dainik Jagran, Phapha Mau, (Prayagraj)

शौर्य दिवस धूमधाम से मनाया गया

संसू, फाफामऊ : शांतिपुरम कालोनी स्थित आरएएफ 101 बटालियन परिसर में शनिवार को शौर्य दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएएफ 101 बटालियन के कमांडेंट मनोज कुमार गौतम रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नौ अप्रैल 1965 को पश्चिमी भारत पाक सीमा पर कच्छ के रण में सरदार एवं टास्क पोस्ट में तैनात केंद्रीय रिवर्ज पुलिस बल की छोटी सी टुकड़ी बहादुरी के साथ पाकिस्तान के 3500 सेना वाली विशाल ब्रिगेड को खदेड़ देने वाली घटना सैनिक युद्ध के इतिहास में अद्वितीय मिशाल है। कर्तव्य परायणता और मातृ भूमि की रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान करने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का गौरवमयी इतिहास है। इसी के चलते आज के दिन शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके पूर्व मुख्य अतिथि ने परंपरागत रूप से क्वाटर गार्ड की सलामी ली। अंत में दौड़, निबंध प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता आदि का आयोजन हुआ। शौर्य दिवस के अवसर पर डा. केके सिंह, विनोद कुमार, बृजेश कुमार दुबे, प्रदीप पाठक और टीएन सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

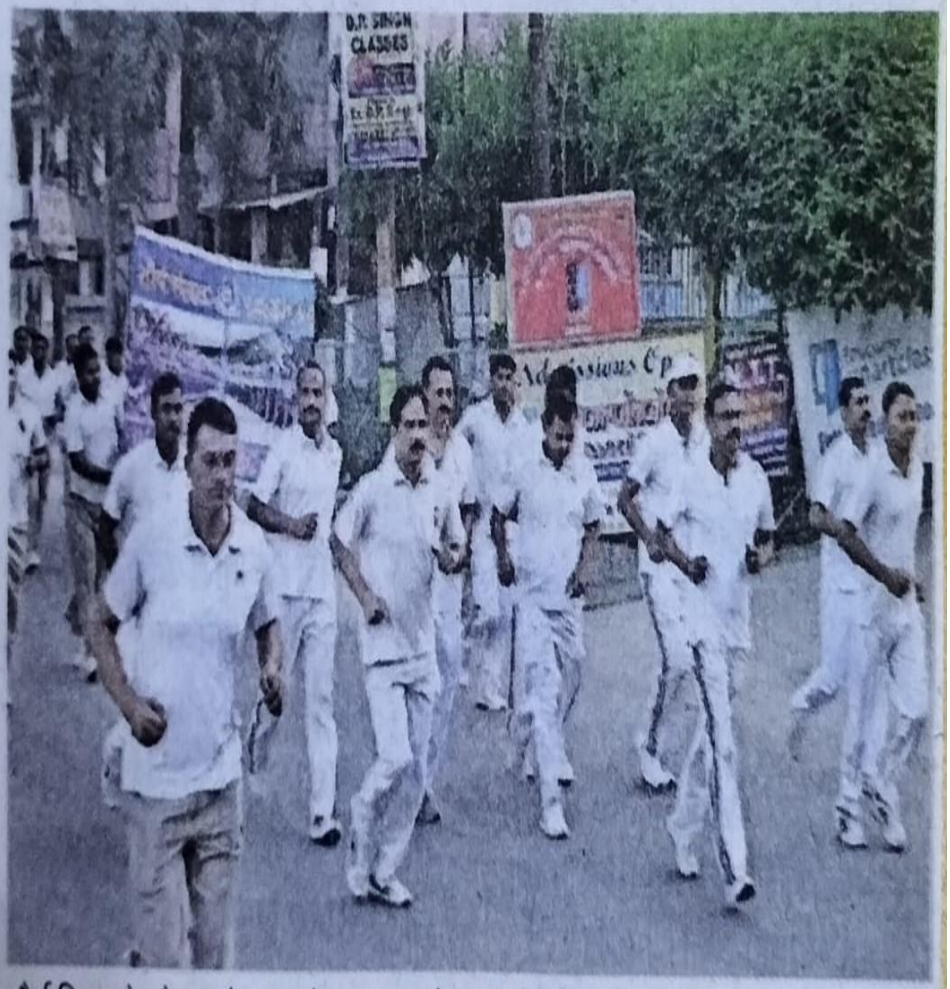

शौर्य दिवस के दौरान दौड़ लगाते आरएएफ के जवान • साभार : आरएएफ

Prabhat Khabar, Jamshedpur, (Jkd)

रैफ 106 में मनाया गया शौर्य दिवस

जमशेदपुर . सुंदरनगर स्थित रैफ 106 बटालियन में शनिवार को शौर्य दिवस मनाया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रैफ 106 के कमांडेंट निशीत कुमार ने शौर्य दिवस क्यों मनाया जाता है, उसके बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि नौ अप्रैल 1965 को सीआरपीएफ की एक टुकड़ी ने गुजरात के कच्छ के रण में सरदार पोस्ट पर बहादुरी से लड़ते हुए पाकिस्तानी ब्रिगेड के हमले को नाकाम कर दिया था. जवानों ने पाकिस्तान के 34 सैनिकों को मार गिराया और चार को जिंदा पकड़ा था. इस लड़ाई में सीआरपीएफ के छह जवान शहीद हुए थे. उन वीर जवानों की वीरता की याद में हर साल नौ अप्रैल को शौर्य दिवस मनाया जाता है. इस दौरान गैलेंट्री अवार्ड पाने वाले बल के पदाधिकारियों और जवानों को कमांडेंट ने सम्मानित किया. साथ ही मेंस क्लब में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान सरदार पोस्ट सीआरपीएफ की वीर गाथा पर बनी आठ मिनट की फिल्म दिखायी गयी. शाम में वीरता की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

Photos of Deployment/Fam-Ex/Other Activities of RAF

BLOOD DONATION CAMP ORGANISED IN 91 BN ,

LUCKNOW AND ,100 BN AHMEDABAD.

सी०आर०पी०एफ० सदा अजेय, भारत माता की जय।